Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Estd. 1861

BOYS' HIGH SCHOOL AND COLLEGE

PRELIMINARY EXAMINATION (2023-24)

CLASS – X

HINDI

Time :3 hrs. M.M : 80

This paper comprises of teo sections- Section A and Section B.

Attempt all the questions from section A. Attept any four questions from section B answering at least each from the two books you have studied and any two questions from thw same books you have studied.

SECTION A (Marks 40)

Attemt all questions

Question -1

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। (15)

(i) खेलना प्रत्येक प्राणी का स्वभाव है। भारत में क्रिकेट के आकर्षण, रोमांच और उसकी बढ़ती लोकप्रियता को निबंध में उल्लेखित कीजिए।

(ii) वर्तमान समय में बेरोजगारी भारत की प्रमुख समस्याओं में से एक है। इसके कारण और दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए, इसे दूर करने के उपायों पर अपने विचार लिखिए।

(iii) भारत में पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव व्यापक स्तर पर देखने को मिलता है। भारत में इसके बढ़ते अनुकरण के कारण बताते हुए, इसके दुष्परिणामों का वर्णन कीजिए।

(iv) एक मौलिक कहानी लिखिए, जिसका अन्त प्रस्तुत वाक्य से किया गया हो-काश! उसने एक आखिरी प्रयास और किया होता तो वह सफल हो जाता।

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

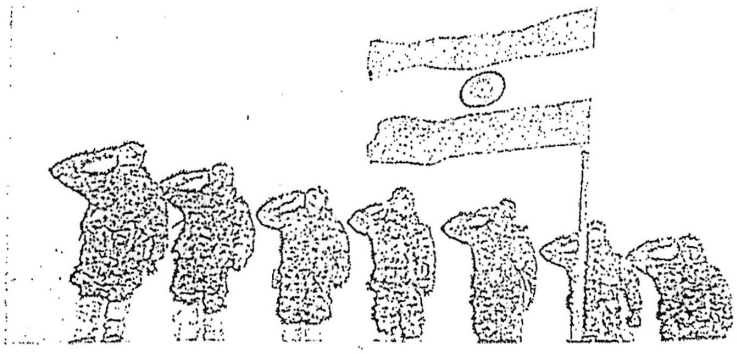

Question - 2

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 20 शब्दों में पत्र लिखिए। (7)

(i) नियमित व्यायाम का महत्व बताते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

(ii) किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुझाव देते हुए पत्र लिखिए।

Question – 3 (10)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

लाला झाऊलाल को खाने-पीने की कमी नहीं थी। काशी के उठेरी बाजार में मकान था। नीचे की दुकानों से एक सौ रुपये मासिक के करीब किराया उतर आता था। अच्छा खाते थे, अच्छा पहनते थे, पर ढाई सौ रुपये तो एक साथ आंख सेंकने के लिए भी न मिलते थे। इसलिए जब उनकी पत्नी ने एक दिन एकाएक ढाई सौ रुपये की माँग पेश की, तब उनका जी एक बार ज़ोर से सनसनाया और फिर बैठ गया। उनकी यह दशा देखकर पत्नी ने कहा-"डरिए मत, आप देने में असमर्थ हों तो मैं अपने गाए से से माँग लूँ?" लाला झाऊलाल तिलमिला उठे। उन्होंने रोब के साथ कहा-"अजी हटो, ढाई सौ रुपये के लिए भाई से भीख ; मुझसे ले लेना।'"

"लेकिन मुझे इसी जिन्दगी में चाहिए।'"

"अजी इसी सप्ताह में ले लेना।"

"सप्ताह से आपका तात्पर्य सात दिन से है या सात वर्ष से?"

लाला झाऊलाल ने रोब के साथ खड़े होते हुए कहा-""आज से सातवें दिन मुझसे ढाई सौ रुपये ले लेना।""
लेकिन जब चार दिन ज्यों-त्यों में यों ही बीत गए और रुपयों का कोई प्रबन्ध न हो सका तब उन्हें चिन्ता होने लगी। प्रश्न अपनी प्रतिष्ठा का था, अपने ही घर में अपनी साख का था। देने का पक्का वादा करके अगर अब दे न सके तो अपने मन में वह क्या सोचेगी? उसकी नज़रों में उसका क्या मूल्य रह जाएगा? अपनी वाहवाही की सैकड़ों गाथाएँ सुना चुके थे। अब जो एक काम पड़ा तो चारों खाने चित हो रहे हैं। यह पहली बार उसने मुँह खोलकर कुछ रुपयों का सवाल किया था। इस समय अगर दुम दबाकर निकल भागते हैं, तो फिर उसे क्या मुँह दिखलाएँगे?
खैर, एक दिन और बीता। पाँचवें दिन घबराकर उन्होंने पं. बिलवासी मिश्र को अपनी विपदा सुनाई। संयोग कुछ ऐसा बिगड़ा था कि बिलवासी जी भी उस समय बिलकुल खुक्ख थे। उन्होंने कहा-"मेरे पास हैं तो नहीं, पर मैं कहीं से माँग-जाँचकर लाने की कोशिश करूँगा और अगर मिल गया तो कल शाम को तुमसे मकान पर मिलूँगा।"
वही शाम आज थी हफ़्ते का अन्तिम दिन। कल ढाई सौ रुपये या तो गिन देना है या सारी हेकड़ी से हाथ धोना है। यह सच है कि कल रुपया न आने पर उनकी स्त्री उन्हें डामलफाँसी न कर देगी-केवल जरा-सा हँस देगी। पर वह कैसी हँसी होगी, कल्पना मात्र से झाऊलाल में मरोड़ पैदा हो जाती थी। आज शाम को पं. बिलवासी मिश्र को आना था। यदि न आए तो? या कहीं रुपये का प्रबन्ध वे न कर सके तो।

(i) लाला झाऊलाल का मकान कहाँ था तथा उनकी स्थिति कैसी थी? वर्णन कीजिए। (2)

(ii) लाला झाऊलाल की पत्नी ने उनसे कितने रुपये माँगे? इस पर लाला की क्या प्रतिक्रिया थी? (2)

(iii) लाला झाऊलाल ने अपनी पत्नी को रुपये देने के लिए कितना समय लिया और इस विषय में उन्हें कौन-सी बात चिन्तित करने वाली थी? (2)

(iv) पाँचवें दिन लाला झाऊलाल ने अपनी विपदा किसे सुनाई थी तथा उसने विपदा का क्या निवारण किया? (2)

(v) सप्ताह के अन्तिम दिन लाला की मनोदशा कैसी थी? वर्णन कीजिए। (2)

Question – 4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

(i) "अनुग्रह' का विलोम शब्द बताइए। (1)

(a) आग्रह (b) विग्रह (c) ग्रहण (d) संग्रह

(ii) "'बसन्त' का पर्यायवाची बताइए। (1)

(a) ऋतु-पावस (b) पराग-रज (c) ऋतुपति-कुसुमाकर (d) कुसुमायुध- अनंग

(iii) 'पढ़ना' की भाववाचक संज्ञा बताइए। (1)

(a) पढ़ाई (b) लिखाई (c) पढ़ा (d) पढ़ता

(iy) 'विश्वविद्यालय' का विशेषण बताइए। (1)

(a) विद्यालय (b) विश्वविद्यालयीय (c) विश्वविद्यालयपन (d) विश्वविद्यालय्ता

(v) 'इर्षा' का शुद्ध रूप बताइए। (1)

(a) ईशा (b) इर्षा (c) ईर्ष्या (d) ईषया

(vi) आग में घी डालना' मुहावरे का अर्थ बताइए। (1)

(a) हवन करना (b) देवता को प्रसन्न करना

(c) क्रोधी को और अधिक उत्तेजित करना (d) क्रोध से आग बबूला होना

(vii) निर्देशनुसार उचित वाक्य बताइए। (1)

वन में प्रात: काल का दृश्य बहुत ही सुन्दर होता है।

(वाक्य में "प्रात:कालीन' शब्द का प्रयोग कीजिए।)

(a) वन में प्रातःकालीन के समय बहुत ही सुन्दरता भरा दृश्य होता है।

(b) वन में प्रातःकालीन दृश्य बहुत ही सुन्दर होता है।

(c) वन में प्रातःरकालीन का चित्र बहुत ही खूबसूरत होता है।

(d) वन में प्रातकालीन के समय बहुत ही मनोहारी दृश्य होता है।

(viii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए। (1)

तप करने जाते हुए मुनि को मार्ग में नारद मिले। (वाक्य में "दर्शन दिए" का प्रयोग कीजिए)

(a) तप करने जाते हुए ऋषियों को मार्ग में नारद ने दर्शन दिए।

(b) तपस्या करने के लिए जाते हुए मुनियों को मार्ग में नारद ने दर्शन दिए।

(c) तप करने जाते हुए मुनियों को रास्ते में नारद ने दर्शन दिए।

(d) तप करने जाते हुए मुनि को मार्ग में नारद ने दर्शन दिए।

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road, Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

SECTION B (Marks 40)

Attempt any four questions

साहित्य सागर--संक्षिप्त कहानियाँ

Question - 5

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

चुनाव अब पास आता जा रहा है। अब यहाँ से भागने के सिवा कोई चारा नहीं, पर जाएँ भी तो कहाँ?

(भेड़ें और भेड़िए-हरिशंकर परसाई)

(i) प्रस्तुत गद्यांश का वक्ता कौन है? उसकी किसी एक विशेषता पर प्रकाश डालिए। (2)

(ii) सियार का परिचय देते हुए बताइए कि उसने वक्ता को क्या सुझाव दिया? (2)

(iii) क्या सियार ने भेड़िये के सुझाव का उत्तर दिया? यदि हाँ, तो वह उत्तर क्या था? (3)

(iv) प्रस्तुत कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? (3)

Question - 6

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए

आनन्दी एक बड़े उच्च कुल की लड़की थी। उसके पिता एक छोटी-सी रियासत के ताल्लुकेदार थे।

(बड़े घर की बेटी-श्रेमचन्द)

(i) आनन्दी के पिता कौन थे? उनके चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (2)

(ii) आनन्दी के पिता अपनी सभी सन्तानों में से किसे सबसे अधिक प्रेम करते थे और क्यों? (2)

(iii) धर्मसंकट में कौन फँस गया तथा कैसे? स्पष्ट कीजिए। (3)

(iv) भूपसिंह ने अपने दामाद के रूप में किसे चुना तथा किस प्रकार चुना? कहानी के आधार पर बताइए। (3)

Question - 7

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए।

रूई के रेशे से भाप से बादल हमारे सिरों को छूकर बेरोक घूम रहे थे। हल्के प्रकाश और अंधियारी से रँग कर कभी वे नीले दिखते,कभी सफेद और फिर जरा अरुण पड़ जाते, जैसे हमारे साथ खेलना चाह रहे हों।

(अपना-अपना भाग्य- जैनेंद्र कुमार)

(i) लेखक कहाँ बैठा हुआ था? (2)

(ii) लेखक ने बादलों की 'सुन्दरता का वर्णन किस प्रकार किया है? (2)

(iii) "जैसे हमारे साथ खेलना चाह रहे हों' कथन का आशय स्पम्ट कीजिए। (3)

(iv) लेखक किस बात पर झुँझला गया और वह कहाँ जाना चाहता था? (3)

साहित्य सागर-पद्य भाग

Question - 8

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए

झरने अनेक झरते, जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़ियाँ चहक रही हैं, हो मस्त शी में।
अमराइयाँ घनी हैं, कोयल पुकारती है।
बहती मलय पवन है, तन-मन संवारती है।

(वह जन्मभूमि मेरी- [illegible] द्विवेदी)

(i) कवि ने अपने राष्ट्र की सुन्दरता का बखान क्यों और किस प्रकार किया है? (2)

(ii) शब्दों के अर्थ लिखिए--अमराइयाँ, घनी, मलय, पवन। (2)

(iii) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने भारत भूमि की किस विशेषता को बताया है? स्पष्ट कीजिए। (3)

(iv) प्रस्तुत पंक्तियों के रचयिता का उल्लेख करते हुए बताइए कि हमारा धर्म और कर्म क्या है? (3)

Question - 9

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए

प्रभु के दिए हुए सुख इतने
हैं विकीर्ण धरती पर

भोग सकें जो उन्हें जगत में,
कहाँ अभी इतने नर?

सब हो सकते तुष्ट, एक सा
सब सुख पा सकते हैं
चाहें तो पल में धरती को
स्वर्ग बना सकते हैं (स्वर्ग बना सकते हैं-रामधारी सिंह 'दिनकर)

(i) धरती पर ईश्वर की कृपा किस प्रकार फैली हुई है? स्पष्ट कीजिए। (2)
(ii) कवि के अनुसार मनुष्य प्रकृति के सुखों का लाभ कब और किस प्रकार उठा सकता है? (2)
(iii) मनुष्य ईश्वर की कृपा का समान रूप से उपयोग क्यों नहीं कर पा रहा है? स्पष्ट कीजिए। (3)
(iv) प्रस्तुत पद्यांश के केन्द्रीय भाव को स्पष्ट कीजिए। (3)

Question - 10

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए

राजा के दरबार में, जैये समया पाय।
साईं तहाँ न बैठिये, जहँ कोड देय उठाय।।
जहूँ कोड देय-उठाय, बोल अनबोले रहिए। '
हँसिये नहीं हहाय, बात पूछे ते कहिए।।
कह 'गिरिधर कविराय' समय सों कीजै काजा।
अति आतुर नहिं होय, बहुरि अनखेहें राजा।। (गिरिधर की कुण्डलियाँ- गिरिधर कविराय)

(i) अरस्तुत पंक्तियों के आधार पर बताइए कि राजदरबार में हमें किस प्रकार का आचरण करना चाहिए और क्यों? (2)
(ii) "साईं तहाँ न बेठिये, जहाँ कोउ देय उठाय
जहाँ कोउ देय उठाय, बोल अनबोले रहिए।'
प्रस्तुत पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)
(iii) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने हमें क्या सीख दी है? स्पष्ट कीजिए। (3)
(iv) गिरिधर कविराय का संक्षिप्त परिचय लिखिए। (3)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE